

NCERT Chapter Exercise Solutions



Subject:	हिंदी भाषा	
Chapter Name:	03. बस की यात्रा (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई	Class: 8

कारण बताएँ –

प्रश्न 1. “मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।”

लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उत्तर – लेखक के मन में बस कंपनी के हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा इसलिए जग गई क्योंकि वह इतनी जर्जर स्थिति वाली (खटारा) बस को चलवाने का हिम्मत कर रहा था। यह बस बिल्कुल भी चलने की स्थिति में नहीं थी फिर भी वह अपनी खटारा बस की तारीफ करते नहीं थक रहा था। ऐसे हिम्मती व्यक्ति के प्रति श्रद्धा भाव ही जाग सकता है।

प्रश्न 2. “लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफर नहीं करते।”

लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर – लोगों ने लेखक को यह सलाह इसलिए दी क्योंकि इस बस की स्थिति बहुत खराब थी। इस बस का कोई भरोसा नहीं है कि यह कहाँ तक चले और कहाँ रुक जाए, अगर रात के समय बस अचानक खराब हो जाए तो सूनसान रास्ते में कहीं भी रात बितानी पड़ सकती है। इसीलिए लोगों ने लेखक को इससे न सफर करने की सलाह दी थी, लोग तो इस बस को डाकिन भी कहते थे।

प्रश्न 3. “ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।”

लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उत्तर – जैसा कि हम जानते हैं कि लेखक जिस बस में यात्रा कर रहा था वह बहुत पुरानी थी और उसकी स्थिति काफी जर्जर थी। जब उस बस का इंजन स्टार्ट हुआ तब पूरी की पूरी बस ही हिलने लगी। इसीलिए लेखक को ऐसा लगा कि वह पूरी बस ही इंजन है। जिसमें बैठे हुए उसे महसूस हुआ कि वह बस के भीतर न बैठकर इंजन के भीतर बैठा हुआ हो।

प्रश्न 4. “गजब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।”

लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

उत्तर – लेखक जिस बस से सफर कर रहा था वह बहुत पुरानी और जर्जर अवस्था में थी। उसने जब बस को पहली बार देखा तो उसे लगा बस कि यह बस नहीं चल पाएगी परन्तु जब उसने बस के हिस्सेदार से पूछा तो उन्होंने कहा कि – “चलेगी ही नहीं, अपने आप चलेगी।” एक तो जर्जर हालत, बस ऊपर से अपने आप आप चलेगी...! यह सोचकर लेखक को हैरानी हुई।

प्रश्न 5. “मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था।”

लेखक पेड़ों को अपना दुश्मन क्यों समझ था?

उत्तर – बस की जर्जर अवस्था से लेखक को ऐसा महसूस हो रहा था कि बस की स्टीयरिंग कहीं भी टूट सकती है तथा ब्रेक फेल हो सकता है। ऐसे में लेखक को डर लग रहा था कि कहीं उसकी बस किसी पेड़ से टकरा न जाए। एक पेड़ निकल जाने पर वह दूसरे पेड़ का इंतजार करता था कि बस कहीं इस पेड़ से न टकरा जाए। यही वजह है कि लेखक को हर पेड़ अपना दुश्मन लग रहा था।

पाठ से आगे

प्रश्न 1. ‘सविनय अवज्ञा आंदोलन’ किसके नेतृत्व में, किस उद्देश्य से तथा कब हुआ था? इतिहास की

उपलब्ध पुस्तकों आधार पर लिखिए।

उत्तर – ‘सविनय अवज्ञा आंदोलन’ महात्मा गाँधी के नेतृत्व में १९३० में अंग्रेजी सरकार से असहयोग करने तथा पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त करने के लिए किया गया था।

Subject:	हिंदी भाषा	
Chapter Name:	03. बस की यात्रा (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई	Class: 8

प्रश्न 2. सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है? लिखिए।

उत्तर – 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' १९३० में में सरकारी आदेशों का पालन न करने के लिए किया था। इसमें अंग्रेजी सरकार के साथ सहयोग न करने की भावना थी।

लेखक ने 'सविनय अवज्ञा' का उपयोग बस के सन्दर्भ में किया है। वह इस प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह बताना चाह रहा है कि बस विनय पूर्वक अपने मालिक व यात्रियों से उसे स्वतंत्र करने का अनुरोध कर रही है।

प्रश्न 3. आप अपनी किसी यात्रा के खट्टे-मीठे अनुभवों को याद करते हुए एक लेख लिखिए।

उत्तर – एक बार मैं अपने परिवार के साथ कहीं घूमने जा रहा था। हम सभी रेलगाड़ी से यात्रा कर रहे थे। हमने जल्दी पहुँचने के कारण सुपर फास्ट ट्रेन से जाने का टिकट किया था। यात्रा मुश्किल से रातभर की ही थी। रास्ते में कुछ प्रदर्शनकारियों के कारण उस तरफ जाने वाली गाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से भेजा जा रहा था। जिसके कारण यह यात्रा लगभग ढाई दिनों की रही। हमने रेलयात्रा में बहुत आनंद किया।

मन बहलाना

अनुमान कीजिए यदि बस जीवित प्राणी होती, बोल सकती तो अपनी बुरी हालत और भारी बोझ के कष्ट को किन शब्दों में व्यक्त करती? लिखिए।

उत्तर – बस अगर जीवित प्राणी होती, और बोल सकती तो अपनी बुरी हालत और भारी बोझ के कष्ट को निम्नलिखित शब्दों में व्यक्त करती :

“हे भगवान! जैसा कि आप देख सकते हो मैं कितनी बड़ी हो गई हूँ। मैंने अपने पूरे जीवन भर में पिछले 40 सालों में लोगों की जी भर सेवा की। लोग मुझ पर कूद-कूद कर चढ़ते और गीत गाते हुए अपनी यात्राएँ पूरी करते थे। आज मैं बूढ़ी हो गई हूँ और मुझसे अब यह मेहनत नहीं होती है, लोगों का बोझ मुझसे नहीं सहा जाता है। अब तो मुझसे अपना खुद का शरीर ही ढोया नहीं जाता। ऐसे में इतने लोग रोज मुझ पर सवार हो जाते हैं। भारी सामान भी ले आते हैं। मेरी जर्जर हालत देखकर क्या इनको जरा भी तरस नहीं आता। हे भगवान! इन्हें समझाओं कि किसी दिन मेरा दम निकल जाएगा और मेरे प्राण तो जाएँगे ही लेकिन कोई दुर्घटना हुई तो इनके प्राणों पर भी संकट आ जाएगा।

भाषा की बात

प्रश्न 1. बस, वश, बस तीन शब्द हैं-इनमें बस सवारी के अर्थ में, वश अधीनता के अर्थ में, और बस पर्याप्त (काफी) के अर्थ में प्रयुक्त होता है, जैसे-बस से चलना होगा। मेरे वश में नहीं है। अब बस करो।

उपर्युक्त वाक्यों के समान वश और बस शब्द से दो-दो वाक्य बनाइए।

उत्तर – बस – एक वाहन

- हम स्कूल बस से आज पिकनिक जा रहे हैं।
- मेरी बस आज नहीं आएगी।

वश – अधीन

- यह आपके वश की बात नहीं है।
- मदारी भालू को अपने वश में रखता है।

बस – पर्याप्त (काफी)

- बस, बहुत हो चुका, अब मुझे जाना चाहिए।
- अब तुम बकबक करना बस भी करो।

NCERT Chapter Exercise Solutions



Subject:	हिंदी भाषा	
Chapter Name:	03. बस की यात्रा (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई	Class: 8

प्रश्न 2. “हम पाँच मित्रों ने तय किया कि शाम चार बजे की बस से चलें। पन्ना से इसी कंपनी की बस सतना के लिए घंटे भर बाद मिलती है।”

ऊपर दिए गए वाक्यों में ने, की, से आदि वाक्य के दो शब्दों के बीच संबंध स्थापित कर रहे हैं। ऐसे शब्दों को कारक कहते हैं। इसी तरह दो वाक्यों को एक साथ जोड़ने के लिए ‘कि’ का प्रयोग होता है।

कहानी में से दोनों प्रकार के चार वाक्यों को चुनिए।

उत्तर –

- बस कंपनी के एक हिस्सेदार भी उसी बस से जा रहे थे।
- बस सचमुच चल पड़ी और हमें लगा कि यह गाँधी जी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के वक्त अवश्य चलती होगी।
- यह समझ में नहीं आता कि सीट पर हम बैठे हैं या सीट हम पर बैठी है।
- ड्राइवर ने तरह-तरह की तरकीबों की पर वह नहीं चली।

प्रश्न 3. “हम फौरन खिड़की से दूर सरक गए। चाँदनी में रास्ता टटोलकर वह रेंग रही थी।”

दिए गए वाक्यों में आई ‘सरकना’ और ‘रेंगना’ जैसी क्रियाएँ दो प्रकार की गतियाँ दर्शाती हैं। ऐसी कुछ और क्रियाएँ एकत्र कीजिए जो गति के लिए प्रयुक्त होती हैं, जैसे – घूमना इत्यादि। उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर – टहलना – दादाजी को टहलना अच्छा लगता है।

चलना – चलना सेहत के लिए बहुत लाभदायक है।

गुजरना – उसका बाजू से गुजरना मुझे पता ही नहीं है।

प्रश्न 4. “काँच बहुत कम बचे थे। जो बचे थे, उनसे हमें बचना था।”

इस वाक्य में ‘बच’ शब्द को दो तरह से प्रयोग किया गया है। एक ‘शेष’ के अर्थ में और दूसरा ‘सुरक्षा’ के अर्थ में।

नीचे दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करके देखिए। ध्यान रहे, एक ही शब्द वाक्य में दो बार आना चाहिए और शब्दों के अर्थ में कुछ बदलाव होना चाहिए।

(क) जल (ख) हार

उत्तर –

(क) जल – उसे जल्दी जल दो उसका गला जल रहा है।

(ख) हार – वह हार गया तो भी उसका आत्मबल बढ़ाने के लिए उसके पिता ने उसका हार पहनकर अभिनन्दन किया।

प्रश्न 5. बोलचाल में प्रचलित अंग्रेजी शब्द ‘फर्स्ट क्लास’ में दो शब्द हैं – ‘फर्स्ट’ और ‘क्लास’। यहाँ क्लास का विशेषण है फर्स्ट। चूँकि फर्स्ट संख्या है, फर्स्ट क्लास संख्यावाचक विशेषण का उदाहरण है। ‘महान आदमी’ में किसी आदमी की विशेषता है महान। यह गुणवाचक विशेषण है। संख्यावाचक विशेषण और गुणवाचक विशेषण के दो-दो उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर –

i. गुणवाचक विशेषण – सूखी पत्ती, अमीर आदमी

ii. संख्यावाचक विशेषण – पाँच केले, तीसरी कक्षा